/font>

Title: Need to include Sakhwar caste of Madhya Pradesh in the list of Scheduled Castes.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, देश के विभिन्न राज्यों में दलितों, कमजोर वर्गों की अनेकों उपजातियां हैं जो अनुसूचित जाति में शामिल होने की प्रार्थना करने के बाद दशकों से प्रतीक्षा सूची में पड़ी हैं। आश्चर्य है कि मध्य प्रदेश की सखवार जाति इसी प्रतीक्षा सूची में 1992 से पड़ी हैं। सखवार जाति मध्य प्रदेश के उत्तरी भाग में बड़ी संख्या में पायी जाती है। भिंड, श्योरपुर, मुरैना, गुना, इन्दौर, भोपाल, ग्वालियर जिलों में इस जाति के लोग मरे पशुओं के चमड़े के उद्योग से जुड़े थे। धीरे-धीरे इस उद्योग का पारम्परिक स्वरूप अब समाप्त हो चुका है। परिणामस्वरूप अब सखवार जाति के लोग अधिकतर खेतिहर मजदूर हैं या लघु तथा सीमान्त किसान। उपरोक्त पूरे क्षेत्र में इस जाति के लगभग 30 प्रतिशत लोग सीमान्त तथा लघु किसान हैं और शेा खेतिहर मजदूर हैं। मध्य प्रदेश शासन ने केन्द्र सरकार को इस जाति को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने के लिए 1992 में अनुशंसा की थी। इसके बाद अनेकों बार अन्य माध्यमों से भी केन्द्र सरकार को स्मरण कराया गया है।

अतः मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि अब और विलम्ब न करते हुए इस मामले में शीघ्र कारगर कदम उठाकर सखवार जाति को मध्य प्रदेश की अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने के निर्देश जारी करें।